भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

तारीखः 02 सितम्बर, 2025

जारी करने का समय: 1330 घंटे

विषय: i) बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बन रहा है और अगले 24 घंटों में इसी क्षेत्र में इसके और अधिक स्पष्ट होने की संभावना है।

ii) अगले 2 दिनों तक उत्तर-पश्चिम भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, साथ ही आज, 2 सितंबर, 2025 को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) हो सकती है।

iii) अगले 2 दिनों तक पूर्वी भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, साथ ही आज, 2 सितंबर, 2025 को छत्तीसगढ़ और ओडिशा में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) हो सकती है।

iv) 2-5 सितंबर के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है, साथ ही 4-6 सितंबर के दौरान गुजरात में कुछ स्थानों पर और 6 और 7 सितंबर, 2025 को सौराष्ट्र और कच्छ में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 02 सितम्बर, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- पश्चिमी उत्तर प्रदेश और ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, विदर्भ, छत्तीसगढ़, गंगीय पश्चिम बंगाल में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- जम्मू-कश्मीर, पश्चिमी राजस्थान, मध्य प्रदेश, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, झारखंड, मणिपुर, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया अनुलग्नक I देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- औसत समुद्र तल पर मानसून की द्रोणिका सामान्य स्थिति के करीब चल रही है।
- उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे म्यांमार तट पर ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से, आज, 02 सितंबर, 2025 को सुबह 0530 बजे भारतीय समयानुसार बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना है और आज सुबह 0830 बजे भारतीय समयानुसार उसी क्षेत्र में बना हुआ है। अगले 24 घंटों के दौरान इसी क्षेत्र में इसके और अधिक स्पष्ट होने की संभावना है। अगले 24 घंटों के दौरान इस प्रणाली के ओडिशा में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है।
- निचले क्षोभमंडल स्तरों में दक्षिण हरियाणा और आसपास के क्षेत्रों में एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

- निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों में उत्तरी कश्मीर से उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश तक एक द्रोणिका बनी हुई है।
- मध्य और ऊपरी क्षोभमंडल स्तर में एक द्रोणिका के रूप में देखा जाने वाला एक पश्चिमी विक्षोभ मोटे तौर पर लॉन्ग के साथ चलता है। अक्षांश 28°N के उत्तर में 72°E तथा इसकी धुरी समुद्र तल से 7.6 किमी ऊपर है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 2 और 8 सितंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा जारी रहने की संभावना; 3 को हिमाचल प्रदेश, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 2-8 सितंबर के दौरान उत्तराखंड; 2-5 सितंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़; 2-6 सितंबर के दौरान पूर्वी राजस्थान; 2 और 3 सितंबर को जम्मू-कश्मीर में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा; 2 को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 4-6 सितंबर के दौरान पश्चिमी राजस्थान; 3-5 सितंबर के दौरान पूर्वी राजस्थान।
- अगले 7 दिनों के दौरान क्षेत्र के अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा।

पश्चिम भारत:

- 02 सितम्बर को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- 4-6 सितंबर के दौरान गुजरात क्षेत्र में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा; 6 और 7 सितंबर को सौराष्ट्र और कच्छ।
- 02-07 तारीख के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 03 तारीख को मराठवाड़ा; 04 और 08 तारीख को सौराष्ट्र और कच्छ; 02-08 तारीख के दौरान गुजरात क्षेत्र में 02-05 तारीख के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है; 02 तारीख को मराठवाड़ा; 03 तारीख को गुजरात क्षेत्र; 05 सितंबर को सौराष्ट्र और कच्छ।
- अगले 7 दिनों के दौरान क्षेत्र में कुछ/कई स्थानों पर गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- 02 सितंबर को छत्तीसगढ़ और ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- 02-05 तारीख के दौरान पश्चिम मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 02-04 तारीख के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; 04 को विदर्भ; 2, 3, 7 और 8 सितंबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 2 और 3 सितंबर को गंगीय पश्चिम बंगाल; 8 सितंबर को बिहार; 2 सितंबर को झारखंड; 5 और 6 सितंबर को ओडिशा; 3 और 4 सितंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा; 3 सितंबर को पूर्वी मध्य प्रदेश; 2 और 3 सितंबर को विदर्भ; 3 सितंबर को छत्तीसगढ़।
- अगले 7 दिनों के दौरान इस क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 02-04 तारीख के दौरान केरल और माहे, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, तटीय कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; 02 सितंबर को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में।
- अगले 7 दिनों के दौरान इस क्षेत्र में कुछ स्थानों पर गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 2 से 7 सितंबर 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएँ:

अरब सागर (AS)

2 से 7 सितंबर के दौरान सोमालिया, ओमान तटों और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में, 2 से 5 सितंबर के दौरान मध्य अरब सागर के अधिकांश भागों, दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के आसपास के और कई क्षेत्रों में; 5 से 7 सितंबर के दौरान पश्चिम-मध्य अरब सागर के अधिकांश भागों और दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के आसपास के क्षेत्रों में; 2 से 5 सितंबर को लक्षद्वीप के ऊपर; 4 से 7 सितंबर के दौरान गुजरात तट के साथ और उसके आसपास; 2 से 7 सितंबर के दौरान कोंकण, गोवा तटों पर; 5 सितंबर को उत्तरी कोंकण तट के साथ और उसके आसपास; 2 से 5 सितंबर के दौरान कर्नाटक तट के साथ और उसके आसपास; 3 से 5 सितंबर के दौरान केरल तट के साथ और उसके आसपास।

बंगाल की खाड़ी (बीओबी):

04 सितंबर को तमिलनाडु तट पर और उसके आसपास; 02 से 05 सितंबर के दौरान आंध्र प्रदेश तट पर और उसके आसपास; 05 सितंबर को तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश तटों पर; 02 से 04 सितंबर के दौरान ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश, म्यांमार तटों पर और उसके आसपास; 02 से 04 सितंबर के दौरान बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग; 04 से 06 सितंबर के दौरान बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य, दक्षिण-पश्चिम और आसपास के दक्षिण-पूर्व के अधिकांश भाग; 06 तारीख को बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य, दक्षिण-पश्चिम और आसपास के दक्षिण-पूर्व के कई भाग; 02 से 07 तारीख के दौरान मन्नार की खाड़ी और आसपास के कोमोरिन क्षेत्र पर; 02 से 04 सितंबर के दौरान अंडमान सागर पर।

ii. 02 सितम्बर, से 05 सितंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- पश्चिमी उत्तर प्रदेश: सासनी (जिला हाथरस) 23, नकुड़ (जिला सहारनपुर) 17, बिलारी (जिला मुरादाबाद) 15, चंदौसी (जिला संभल) 13, हाथरस (जिला हाथरस) 12, बदायूँ (जिला बदायूँ) 12, आंवला (जिला बरेली) 11, मोरादाबाद सीडब्ल्यूसी (जिला मोरादाबाद) 9, खेकड़ा (जिला बागपत) 9, मोरादाबाद ऑब्सी। (जिला मोरादाबाद) 8, मोरादाबाद (जिला मोरादाबाद) 7, अमरोहा (जिला अमरोहा) 7;
- ओडिशा: हातादिही (जिला क्योंझरगढ़) 23, बालासोर (जिला बालासोर) 13, घासीपुरा (जिला क्योंझरगढ़) 13, टीएच रामपुर (जिला कालाहांडी) 13, एनएच5 गोबिंदपुर (जिला बालासोर) 12, आनंदपुर (जिला क्योंझारगढ़) 10, रेमुना (जिला बालासोर) 9, चिल्का (जिला खुर्दा) 9, अखुआपाड़ा (जिला भद्रक) 7, बेरहामपुर (जिला गंजम) 7;
- हिमाचल प्रदेश: नैना दवी (जिला बिलासपुर) 20, रोहड़ू (जिला शिमला) 8;
- पूर्वी राजस्थान: दौसा (जिला दौसा) 18, मनोहर थाना (जिला झालावाड़) 9, लालसोट (जिला दौसा) 8, जयपुर तहसील सीनियर (जिला जयपुर) 7, टोडाभीम (जिला करौली) 7, जमवारामगढ़ सीनियर (जिला जयपुर) 7, कोटड़ी (जिला भीलवाड़ा) 7, नदबई (जिला भरतपुर) 7, सिकराय (जिला दौसा) 7;
- पंजाब: बुल आईआरआर (जिला लुधियाना) 17, लुधियाना आईआरआर (जिला लुधियाना) 17, पायल रेव (जिला लुधियाना) 15, दोराहा आईआरआर (जिला लुधियाना) 11, फगवाड़ा (जिला कपूरथला) 11, भादसों आईआरआर (जिला पटियाला) 11, हंडियाया हम्मो (जिला बरनाला) 9, जगराओं (जिला लुधियाना) 8, खन्ना (जिला लुधियाना) 7, पटियाला (जिला पटियाला) 7, बरनाला (जिला बरनाला) 7;
- हरियाणा: गुड़गांव रेव (जिला गुड़गांव) 14, बेरी (जिला झज्जर) 12, धौज (जिला फरीदाबाद) 11, भिवानी रेव (जिला भिवानी) 10, पलवल (जिला पलवल) 10, झझार (जिला झज्जर) 10, बादली रेव (जिला झज्जर) 10, कलानौर (जिला रोहतक) 10, जनसुई हड़ (जिला अंबाला) 9, दादूपुर (जिला यमुनानगर) 9, गुड़गांव केवीके एडब्ल्यूएस (जिला गुड़गांव) 8, बाबैन रेव (जिला कुरुक्षेत्र) 8, रादौर (जिला यमुनानगर) 7, जगाधरी (जिला यमुनानगर) 7, सरस्वती नगर (जिला यमुनानगर) 7, बल्लभगढ़ (जिला फरीदाबाद) 7, बहादुरगढ़ (जिला झज्जर) 7, भवानीखेड़ा (जिला भिवानी) 7, बौंदकलां रेव (जिला) चरखी दादरी) 7, सिवानी (जिला भिवानी) 7, छछरौली (जिला यमुनानगर) 7;
- छत्तीसगढ़: नानगुर (जिला बस्तर) 13, दंतेवाड़ा (जिला दंतेवाड़ा) 11;
- गांगेय पश्चिम बंगाल: सागर द्वीप पीटीओ (जिला दक्षिण 24 परगना) 12, अमता (जिला हावड़ा) 10, कैनिंग (जिला दक्षिण 24 परगना) 8, कोंटाई (जिला पूर्वी मिदनापुर) 8, मंतेश्वर (जिला पूर्व बर्धमान) 8, दुर्गापुर (जिला पश्चिम बर्धमान) 7, डायमंड हार्बर (जिला दक्षिण 24 परगना) 7, अमतला (जिला मुर्शिदाबाद) 7;
- उत्तराखंड: हलद्वानी (जिला नैनीताल) 12, मुक्तेश्वर (जिला नैनीताल) 10, खटीमा (जिला उधम सिंह) नगर) 9, बेतालघाट (जिला नैनीताल) 9, मुनस्यारी (जिला पिथौरागढ) 8, भगवानपुर (जिला हरद्वार) 7, पिथौरागढ (जिला पिथौरागढ) 7, काशीपुर (जिला उधम सिंह नगर) 7, अल्मोडा (जिला अल्मोडा) 7, लोहाघाट (जिला चम्पावत) 7;
- पूर्वी उत्तर प्रदेश: रॉबर्ट्सगंज (जिला सोनभद्र) 12, मुहम्मदी (जिला खीरी) 11, फतेहपुर तहसील (जिला बाराबंकी) 8, संडीला (जिला हरदोई) 8, छिबरामऊ (जिला कन्नौज) 8, फतेहगढ़ सीडब्ल्यूसी (जिला फर्रुखाबाद) 7, तिर्वा (जिला कन्नौज) 7, ज्ञानपुर (जिला भदोही) 7;
- पश्चिमी मध्य प्रदेश: सैलाना (जिला रतलाम) 11, आरोन (जिला गुना) 11, भीमपुर (जिला बैतूल) 8, राघोगढ़ (जिला गुना) 8, बमोरी (जिला गुना) 7, चाचौड़ा (जिला गुना) 7, भैंसदेही (जिला बैतूल) 7, गोहद (जिला भिंड) 7;
- विदर्भ: वाणी (जिला यवतमाल) 11, बल्लारपुर (जिला चंद्रपुर) 9, रालेगांव (जिला यवतमाल) 9, दिग्रास (जिला यवतमाल) 8, चंद्रपुर (जिला चंद्रपुर) 8, भद्रावती (जिला चंद्रपुर) 8, वरोरा (जिला चंद्रपुर) 8, खरंगा (जिला वर्धा) 7, अहिरी (जिला गढ़चिरौली) 7, पर्सोओनी (जिला नागपुर) 7;
- मराठावाड़ा: किनवट (जिला नांदेड़) 10;
- मणिपुर: सेनापति (जिला सेनापति) 10;
- पश्चिमी राजस्थान: परबतसर (जिला नागौर) 9;
- मध्य महाराष्ट्र: इगतपुरी (जिला नासिक) 9, गगनबावाड़ा (जिला कोल्हापुर) 7;
- तटीय आंध्र प्रदेश और यानम: गरिविडी (जिला विजयनगरम) 9, गंट्यादा (जिला विजयनगरम) 8, जियाम्मा वलासा (जिला पार्वतीपुरम मन्यम) 8, वीराघट्टम (जिला पार्वतीपुरम मन्यम) 7;
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: दीमा टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 8, न्यूलैंड्स टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार) 7, भूटानघाट (जिला अलीपुरद्वार) 7;
- झारखंड: जपला (जिला पलामू) 8;
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: आईएएफ़ कार्निकोबार (जिला निकोबार) 8, पोर्ट ब्लेयर (जिला दक्षिण अंडमान) 7;
- जम्मू-कश्मीर: राजौरी (AWS) 7;
- पूर्वी मध्य प्रदेश: बरघाट (जिला सिवनी) 7, दमोह-आव्स (जिला दमोह) 7;

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	2- Sep	3- Sep	4- Sep	5- Sep	6- Sep	7- Sep	8- Sep
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
7	ODISHA	WS	WS	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS
8	JHARKHAND	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS
9	BIHAR	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
12	UTTARAKHAND	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	WS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
14	PUNJAB	WS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	WS	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	FWS	FWS	WS	WS	FWS	SCT	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	FWS	WS	WS	FWS	FWS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT	FWS
27	CHHATTISGARH	WS	WS	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
29	TELANGANA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT
36	LAKSHADWEEP	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

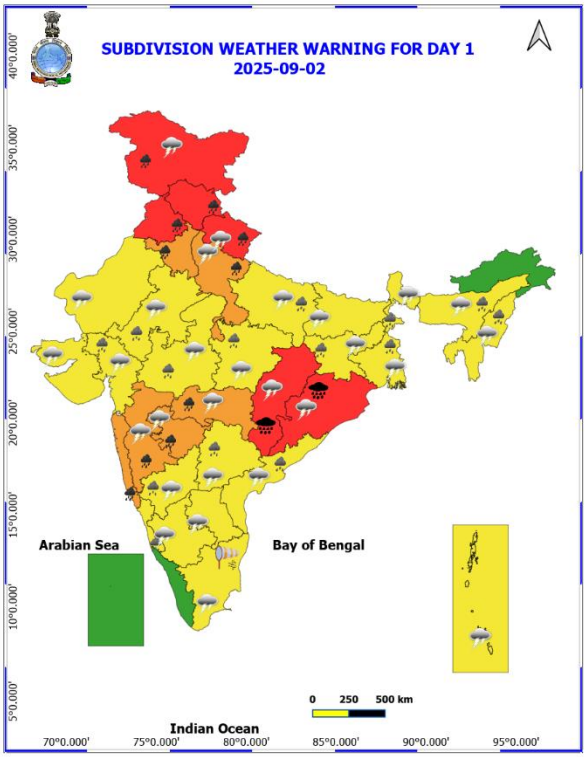
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-09-02
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

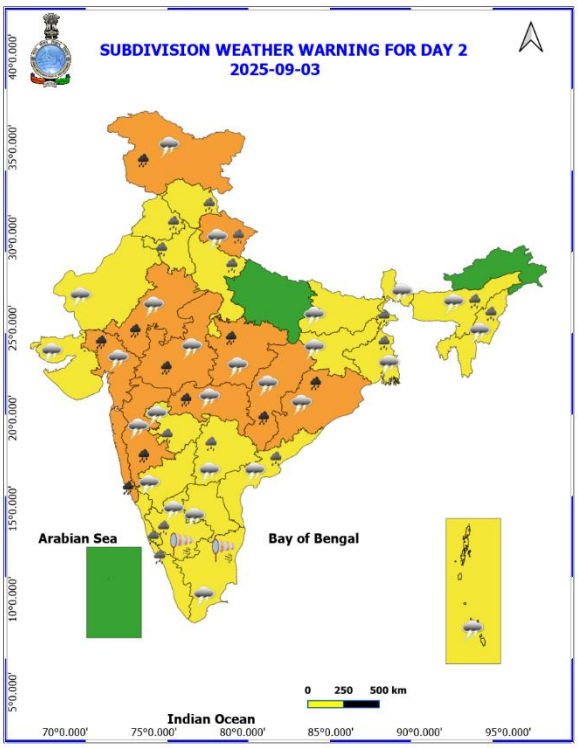
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-09-03
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

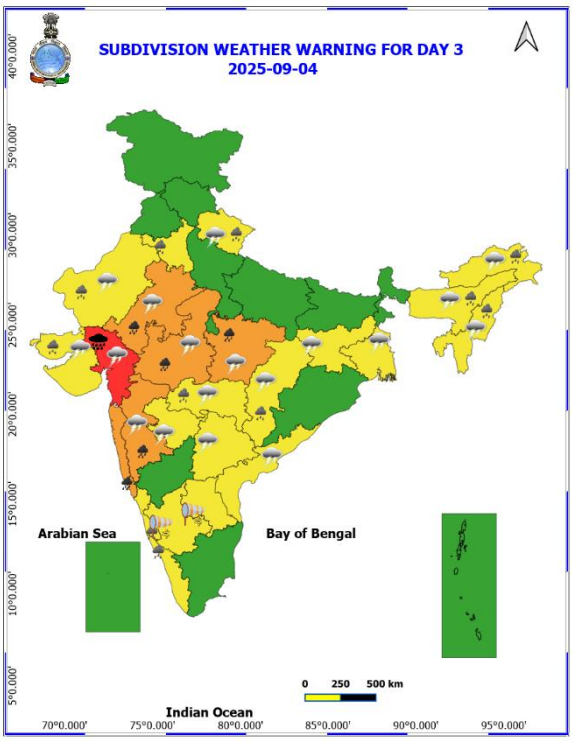
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-09-04
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

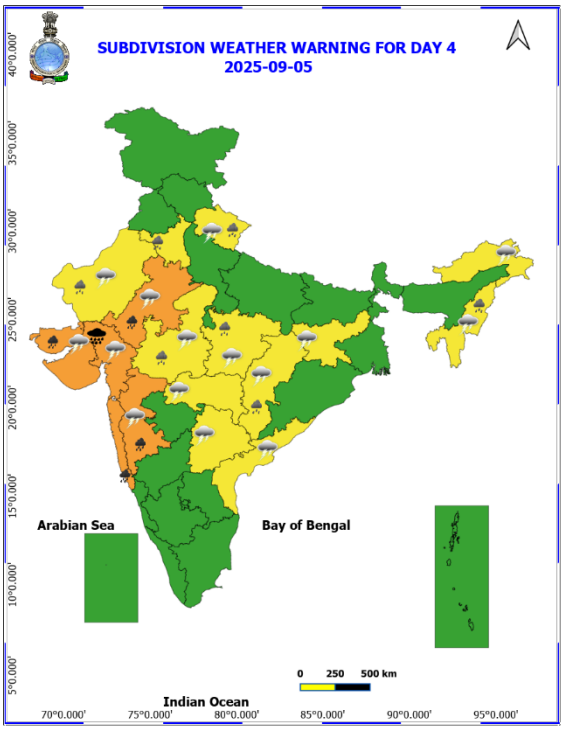

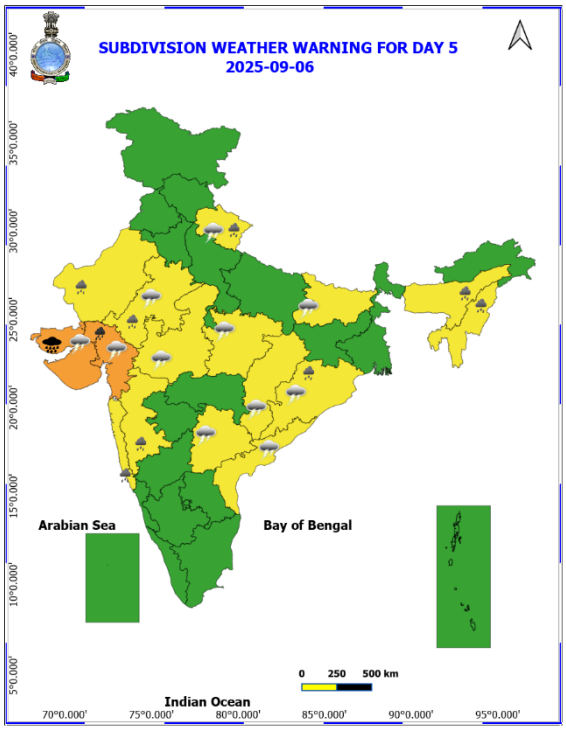

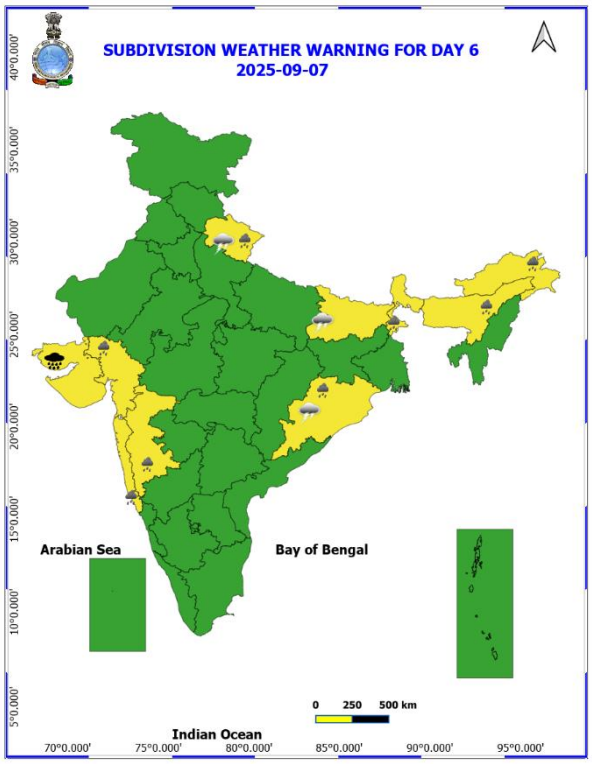

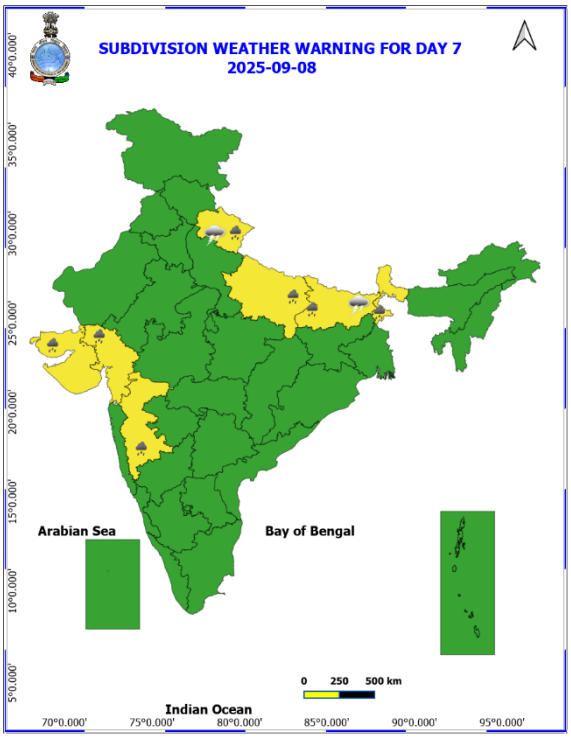

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर के लिए 02 से 05 सितंबर 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तथा अधिकतम तापमान में भी 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग 29 से 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 21 से 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 से 4 डिग्री सेल्सियस कम तथा अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान आमतौर पर मेघाच्छादित रहा और सतही हवा पूर्व/दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी प्रति घंटा की गति से चली, जिसमें झोंकों की गति 36 किमी प्रति घंटा तक रही। दिल्ली में अधिकांश स्थानों पर मध्यम बारिश/गरज-चमक के साथ वर्षा तथा कुछ स्थानों पर भारी वर्षा दर्ज की गई। आज पूर्वाह्न के समय क्षेत्र में आसमान आमतौर पर बादलयुक्त रहा और दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा 18 किमी प्रति घंटा से कम गति से चली।

मौसम पूर्वानुमान:

02.09.2025: आसमान आमतौर पर मेघाच्छादित रहेगा। दोपहर और शाम के दौरान कई स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज-चमक के साथ वर्षा की कुछ बौछारें तथा कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा की संभावना है। अधिकतम तापमान 29 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है जो सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। सतही हवा मुख्यतः दक्षिण-पूर्व दिशा से 20-25 किमी प्रति घंटा की गति से दोपहर में चलेगी। शाम और रात के समय यह घटकर 20 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

03.09.2025: आसमान आमतौर पर मेघाच्छादित रहेगा। एक-दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज-चमक के साथ वर्षा की संभावना है। अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम रहने की संभावना है। सुबह में सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 12-16 किमी प्रति घंटा की गति से चलेगी। दोपहर में यह बढ़कर 18 किमी प्रति घंटा से कम रहेगी तथा शाम और रात में घटकर 15 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी और हवा की दिशा पूर्व रहेगी।

04.09.2025: आसमान आमतौर पर मेघाच्छादित रहेगा। एक-दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज-चमक के साथ वर्षा की संभावना है। अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। सुबह में सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 08-12 किमी प्रति घंटा की गति से चलेगी। दोपहर में यह बढ़कर पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी तथा शाम और रात में घटकर उत्तर-पूर्व दिशा से 12 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

05.09.2025: आसमान आमतौर पर मेघाच्छादित रहेगा। एक-दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज-चमक के साथ वर्षा की संभावना है। अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। सुबह में सतही हवा उत्तर-पूर्व दिशा से 20 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेगी। दोपहर में यह दक्षिण-पूर्व दिशा से 18 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी तथा शाम और रात में घटकर उत्तर-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझावित कार्यवाही:

- खड़ी फसलों को नुकसान, शाखाओं के टूटने से बिजली और संचार लाइनों को आंशिक से गंभीर नुकसान, तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक क्षति, खुले में रखी वस्तुएँ उड़ सकती हैं।

- लोगों को सलाह दी जाती है कि मौसम की स्थिति पर नज़र बनाए रखें और स्थिति बिगड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाने के लिए तैयार रहें।

- घर के अंदर रहें, दरवाजे और खिड़कियाँ बंद रखें, यदि संभव हो तो यात्रा से बचें।

- सुरक्षित स्थानों पर शरण लें; पेड़ों के नीचे खड़े न हों, कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से न लगें।

- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जलाशयों से तुरंत बाहर आएं और बिजली प्रवाह कराने वाली वस्तुओं से दूर रहें।

बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 02 तारीख को छत्तीसगढ़ और ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा; 04-06 तारीख के दौरान गुजरात क्षेत्र; 06 और 07 सितंबर को सौराष्ट्र और कच्छ में।
- 02 तारीख को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिम उत्तर प्रदेश, मराठवाड़ा में बहुत भारी वर्षा; 02 और 03 को जम्मू-कश्मीर, विदर्भ; 02-05 के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र; 03 के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात क्षेत्र; 03-05 के दौरान पूर्वी राजस्थान; 03 और 04 को पश्चिम मध्य प्रदेश; 04-06 के दौरान पश्चिम राजस्थान; 05 सितंबर को सौराष्ट्र और कच्छ में।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **ओडिशा** में, **उत्तर पूर्वी पठारी क्षेत्र** में रागी, दालों, मक्का, मूंगफली और सब्जियों के खेतों से; **पश्चिम मध्य समतल भूमि क्षेत्र** में धान, मक्का और सब्जियों के खेतों से; **पूर्वी और दक्षिण पूर्वी तटीय मैदानी क्षेत्र** में मूंग, उड़द, गन्ना एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से; **पूर्वी घाट उच्च भूमि क्षेत्र** और **दक्षिण पूर्वी घाट क्षेत्र** में धान, उड़द, मूंग, अरहर, मक्का, मूंगफली और सब्जियों के खेतों से; **उत्तर मध्य पठारी क्षेत्र** में धान, मक्का, उड़द और सब्जियों के खेतों से तथा **पश्चिमी लहरदार क्षेत्र** में धान, कपास, अरहर और मक्का के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी का उचित प्रावधान करें।
- **छत्तीसगढ़** में, **बस्तर पठार क्षेत्र** में धान, लघु अनाज, मक्का, दलहन और तिलहन के खेतों में तथा **छत्तीसगढ़ मैदानी क्षेत्र** में मूंगफली, उड़द, सोयाबीन, अरहर और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **गुजरात** में, **दक्षिण गुजरात भारी वर्षा क्षेत्र** में धान, गन्ना, भिंडी, कंद फसलों और सब्जियों के खेतों से; **दक्षिण गुजरात क्षेत्र** में धान, कपास, गन्ना और अरहर के खेतों एवं फलों के बागानों से (केला और आम) तथा **मध्य गुजरात क्षेत्र** में धान, बाजरा, अरहर, कपास, सोयाबीन, मक्का और अरंडी के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **महाराष्ट्र** में, **कोंकण** में धान, रागी, हल्दी, मूंगफली, सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से; **मध्य महाराष्ट्र** के **घाट क्षेत्रों** में धान, मक्का, मूंगफली, सोयाबीन, सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से तथा **विदर्भ** में कपास, अरहर, सोयाबीन, सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **उत्तराखंड** में, **उप-आर्द्र उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में मूंग, उड़द, सनवा और रागी के खेतों में तथा **भाबर और तराई क्षेत्र** में धान, मूंग, उड़द, गन्ना, मक्का, मूंगफली, सोयाबीन, रागी और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें। **पहाड़ी क्षेत्र** में, मटर और मूली की बुवाई स्थगित रखें तथा रागी, राजमा और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।

- **हिमाचल प्रदेश** में, **मध्य पर्वतीय उप-आर्द्र क्षेत्र** में अदरक, हल्दी और मक्का के खेतों में; **उप-पर्वतीय एवं निम्न पर्वतीय उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में धान, मक्का और सब्जियों के खेतों में तथा **उच्च पर्वतीय शीतोष्ण शुष्क क्षेत्र** में राजमा, आलू, जौ और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें। **उच्च पर्वतीय उप-शीतोष्ण आर्द्र क्षेत्र** में, पत्तागोभी और फूलगोभी की रोपाई स्थगित करें। सब्जी की नर्सरी और फसल को पॉलीशीट से ढक दें तथा मक्का, रागी और सब्जियों के खेतों में जल जमाव से बचाव हेतु पर्याप्त जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **जम्मू और कश्मीर** में, **उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में धान, मक्का, मूंग और उड़द के खेतों से तथा **मध्यवर्ती क्षेत्र** में मक्का, खरीफ दालों, धान और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **पंजाब** में, **मध्य मैदानी क्षेत्र** में कपास, मक्का और सब्जियों के खेतों से; **लहरदार मैदानी क्षेत्र** में गन्ना, मूंग और मिर्च के खेतों से; **उप-पर्वतीय लहरदार क्षेत्र** में मूंग और सोयाबीन के खेतों से; **पश्चिमी क्षेत्र** में कपास और मक्का के खेतों से तथा **पश्चिमी मैदानी क्षेत्र** में कपास और गन्ना के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **हरियाणा** में, **पूर्वी क्षेत्र** में गन्ना, कपास, मक्का, बाजरा और सब्जियों के खेतों से तथा **पश्चिमी क्षेत्र** में कपास, बाजरा, मूंग और ग्वार के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **उत्तर प्रदेश** में, **पश्चिमी मैदानी क्षेत्र** में अरहर और सब्जियों के खेतों में तथा **दक्षिण पश्चिमी अर्ध शुष्क क्षेत्र** में मक्का, दलहन और तिलहन फसलों में अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **राजस्थान** में, **उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान और अरावली पहाड़ी क्षेत्र** में सब्जी की नर्सरियों और कपास, मक्का, सोयाबीन और दालों के खेतों में; **बाढ़ प्रवण पूर्वी मैदान क्षेत्र** में सब्जी की नर्सरियों और खड़ी फसलों जैसे बाजरा, उड़द और तिल के खेतों में; **अर्ध-शुष्क पूर्वी मैदान क्षेत्र** में मूंगफली, मूंग, मोठ, लोबिया, बाजरा, मक्का, ज्वार और सब्जियों के खेतों में; **अंतर्देशीय अपवाह का संक्रमणकालीन मैदान क्षेत्र** में सब्जी की नर्सरियों और बाजरा, मूंग, मूंगफली, मोठ, लोबिया और ग्वार के खेतों में तथा **दक्षिणी आर्द्र मैदान क्षेत्र** में सोयाबीन, अरहर, उड़द, मूंगफली और तिल के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- **मध्य प्रदेश** में, **मालवा पठार क्षेत्र** में सोयाबीन, मक्का और सब्जियों के खेतों में; **झाबुआ पहाड़ी क्षेत्र** में मक्का, सोयाबीन, कपास, उड़द और सब्जियों के खेतों में; **सतपुड़ा पठार क्षेत्र** में मक्का, सोयाबीन, कपास और सब्जियों के खेतों में; **निमाड़ घाटी क्षेत्र** में सोयाबीन, कपास और सब्जियों के खेतों में; **गिर्द क्षेत्र** में मक्का, सोयाबीन, मूंग, उड़द, अरहर और सब्जियों के खेतों में तथा **विंध्य पठार क्षेत्र** में सोयाबीन और सब्जियों के खेतों में पर्याप्त जल निकासी सुविधाएँ प्रदान करें।
- **तेलंगाना** में, **उत्तरी तेलंगाना क्षेत्र** में धान, कपास, मक्का, सोयाबीन, अरहर, हल्दी और सब्जियों के खेतों से तथा **दक्षिणी तेलंगाना क्षेत्र** में धान, कपास, सोयाबीन, मक्का और अरहर के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श
(आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

बाढ़ संबंधी मार्गदर्शन:

03-09-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में मध्यम से उच्च आकस्मिक बाढ़ का खतरा संभावित है।

हिमाचल प्रदेश - चंबा, कांगड़ा, किन्नौर, कुल्लू, लाहुल-स्पीति, मंडी, शिमला और सिरमौर जिले।
जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख - अनंतनाग, डोडा, कठुआ, किस्तवाड़, कुलगाम, पुंछ, रामबन, रियासी और उधमपुर जिले।
उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

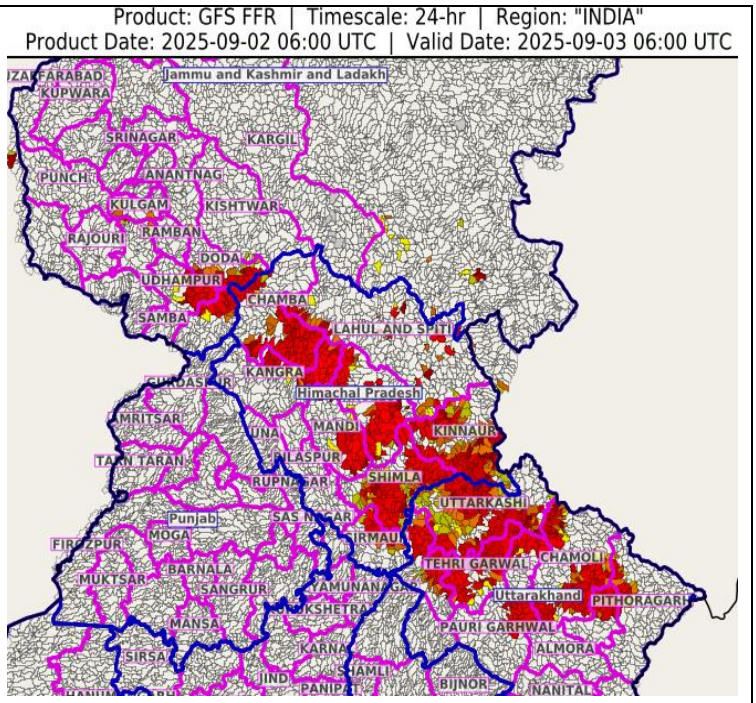

03-09-2025 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर) के लिए 24 घंटे का आउटलुक:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम अचानक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

छत्तीसगढ़-बलरामपुर, बिलासपुर, जशपुर, कबीरधाम, कोरबा, कोरिया, मुंगेली, रायगढ़, सूरजपुर और सरगुजा जिले।
ओडिशा - बालेश्वर, बारागढ़, देवगढ़, जाजापुर, केंदुझार, मयूरभंज, संबलपुर और सुंदरगढ़ जिले।
गांगेय पश्चिम बंगाल - बांकुरा, पूर्वीमेदनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर और पुरुलिया जिले।
झारखंड-बोकारो, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, गिरिडीह, गुमला, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, पलामू, रांची, सरायकेला, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण मानचित्र में दिखाए गए अनुसार चिंता के क्षेत्र (एओसी) में कुछ पूरी

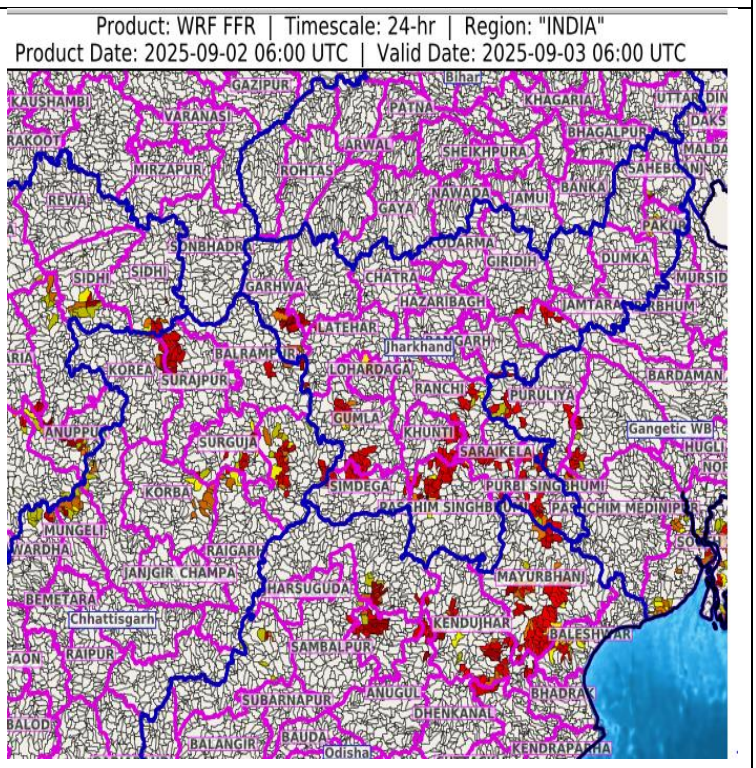

तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

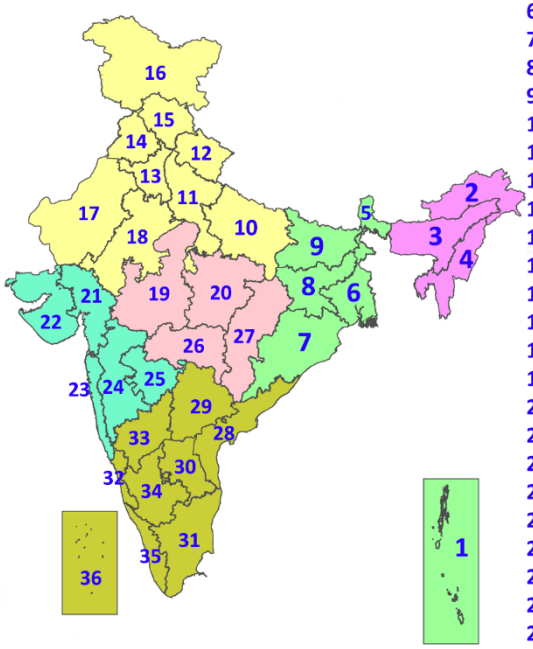

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)